भारत के भाग्य विधाता हैं विद्यार्थी और विद्यार्थियों के निर्माता हैं शिक्षक, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 15 हजार नवनियुक्त शिक्षकों को दिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

सभी शालाओं में बोर्ड पैटर्न पर होगी 5वीं और 8वीं की परीक्षाएँ

स्वामी विवेकानन्द, डॉ. राधाकृष्णनन, डॉ. अम्बेडकर के प्रसंगों से शिक्षकों को किया प्रेरित, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वयं के स्कूल के अनुभव किए साझा, नवनियुक्त 6 शिक्षकों को प्रदान की प्रशिक्षण सामग्री तथा शुभकामना-पत्र, शिक्षक नौकर नहीं, बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले गुरू हैं

भोपाल ■ जसं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश की शालाओं में अध्ययनरत बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शासकीय शालाओं के साथ शासकीय मान्यता प्राप्त सभी अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं में 5वीं और 8वीं की परीक्षाएँ बोर्ड पैटर्न पर की जाएंगी। साथ ही इन शालाओं में आंतरिक मूल्यांकन भी नियमित रूप से सुनिश्चित कराया जाएगा। बच्चों का भविष्य गढ़ने का दायित्व शिक्षकों पर है। शिक्षक बच्चों को जैसा गढ़ेंगें, वैसा ही देश और प्रदेश का निर्माण होगा। भारत के भाग्य विधाता विद्यार्थी हैं और विद्यार्थियों के निर्माता शिक्षक हैं। शिक्षकों के सम्मान और उन्हें प्रणाम करने के उद्देश्य से ही आज का यह कार्यक्रम किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे और स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार उपस्थित थे। सरस्वती वंदना और मध्यप्रदेश गान के बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश शिक्षण-प्रशिक्षण नीति और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण संबंधी मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णु: गुरूर्देवो महेश्वर:, गुरू साक्षात्परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम: के भाव को मैंने बचपन से आत्मसात किया है। भारत की संस्कृति गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पाय - बलिहारी गुरू आपने, गोविन्द दियो बताय के विचार को व्यवहार में लाने वाली संस्कृति है। गुरू हमारे लिए सर्वोपरि हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शिक्षकों के सम्मान में माथा टेक कर अपना संबोधन आरंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन शिक्षकों का मान-सम्मान बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। विद्यार्थियों की प्रतिभा के सम्पूर्ण प्रकटीकरण का दायित्व शिक्षकों पर है। शिक्षक नौकर नहीं, बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले गुरू हैं। उनके मार्गदर्शन और उनके द्वारा दी गई शिक्षा का ही परिणाम होता है कि व्यक्ति, समाज के पथ प्रदर्शन में सक्षम हो जाता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देना शिक्षा के मुख्य उद्देश्य हैं। संचित ज्ञान को आगे पीढ़ी को हस्तांरित करना शिक्षक के साथ अभिभावकों का भी कर्त्तव्य है। कौशल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। विद्यार्थियों को नागरिकता के संस्कार देना सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। शिक्षक यह प्रण लें कि उनके विद्यार्थी, देश भक्त, चरित्रवान, ईमानदार, कर्त्तव्य परायण, दूसरों की चिंता करने वाले, बालिकाओं और महिलाओं के प्रति सम्मान रखने वाले, माता-पिता का आदर करने वाले और असहाय की सहायता करने वाले बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वामी विवेकानन्द, डॉ. राधाकृष्णनन और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया के व्यवहारिक बिन्दुओं का उल्लेख किया। साथ ही स्वयं के स्कूल के दिनों के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों के पालक और समुदाय के साथ शिक्षकों द्वारा संवाद बनाए रखने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों को उनकी भाषा में शिक्षा देना आवश्यक है। इससे उनकी स्वाभाविक प्रतिभा प्रकट होती है। अपनी भाषा के गौरव को स्थापित करना आवश्यक है। हमें बच्चों को अंग्रेजी के भय से मुक्त करने की दिशा में भी कार्य करना है। प्रदेश में हिन्दी भाषा में मेडिकल की पढ़ाई शुरू करने की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नवनियुक्त शिक्षकों को सकारात्मक रहते हुए अपने कर्त्तव्य निर्वहन के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आपके प्रयासों से ही प्रदेश शालेय शिक्षा में देश में पहले स्थान पर पहुँचेगा। स्वामी विवेकानन्द की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई काम ऐसा नहीं है जो आप नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षकों को अपना आचरण, आदर्श स्वरूप में रखना आवश्यक है। समय का पालन, स्वच्छता बनाए रखना, सदा सत्य बोलने के गुणों को शिक्षकों के दिन-प्रतिदिन के आचरण में अभिव्यक्त होना चाहिए। शिक्षक, शिक्षण में नवाचार और प्रयोग करें, स्वाध्याय करें, स्वयं को बदलती तकनीक और समय के अनुरूप ढालते रहें। साथ ही पालकों से सतत संवाद में बने रहें। बच्चों की कमजोरियों और अपेक्षाओं के बारे में उनके पालकों से बातचीत अवश्य करें। श्रीमद्भगवत गीता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक के लिए आवश्यक है कि वह सभी के प्रति एक समान व्यवहार रखें, प्रेम का भाव रखें, अहंकार न रखें और व्यवहार में धैर्यशील हों। साथ ही अपने कर्त्तव्य के प्रति सदैव उत्साह का भाव बनाए रखना और संपूर्ण क्षमता के साथ कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नवनियुक्त शिक्षकों को उत्साह और सकारात्मकता के साथ अपने कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएँ दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शाला और शिक्षा प्रक्रिया को रूचि कर बनाने तथा शाला व्यवस्था में समुदाय को जोड़ने और स्कूली शिक्षा में नवाचार करने वाले शिक्षकों की सराहना की। राजगढ़ जिले के विकासखंड नरसिंहगढ़ की माध्यमिक विद्यालय गेहूँखेड़ा के श्री मोहन विश्वकर्मा, दमोह के नवीन माध्यमिक विद्यालय लिधौरा के श्री माधव पटेल, प्राथमिक शाला रघुनाथपुर राजगढ़ की श्रीमती ममता शर्मा, प्राथमिक शाला तूमड़ा नरसिंहपुर के श्री हल्केवीर पटेल, शासकीय प्राथमिक विद्यालय कागदीपुरा धार के श्री सुभाष यादव, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर बालाघाट के श्री जयंत खांडवे, शासकीय हाई स्कूल पुलिस लाइन शहडोल के श्री संतोष मिश्रा, एकलव्य विद्यालय शहडोल के श्री बी.एम. तिवारी तथा श्री संदीप त्रिपाठी के कार्यों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नवनियुक्त शिक्षकों में से प्रतीक स्वरूप 6 शिक्षकों को शुभकामना-पत्र और प्रशिक्षण सामग्री भेंट की। होशंगाबाद के तरोन कला की माध्यमिक शिक्षक सुश्री स्वाति यादव, निवाड़ी की सुश्री पूजा तिवारी, सीहोर के श्री कपिल सिंह ठाकुर, महेश्वर की सुश्री सपना गौतम, खालवा जिला खण्डवा की सुश्री गीतू कासडे और बैरसिया भोपाल की सुश्री वैशाली चौधरी को शुभकामना-पत्र और प्रशिक्षण सामग्री भेंट की।

स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षक की कार्यशैली और उनका व्यवहार विद्यार्थियों के लिए आदर्श होता है। शिक्षकों का कर्त्तव्य है कि वे अपना संपूर्ण समर्पण, शाला और समाज को प्रदान करें और अपने विद्यार्थियों को सर्वोत्तम ज्ञान, संस्कार उपलब्ध कराने के लिए हर-संभव प्रयास करें। मंत्री श्री परमार ने नवनियुक्त शिक्षकों को नए दायित्व में सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी।

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह ने भी संबोधित किया। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण श्रीमती पल्लवी जैन गोविल उपस्थित थी। प्रशिक्षण-सत्र में श्री टी.जी. नियोगी ने नई शिक्षा नीति शिक्षक के संदर्भ में, डॉ. एस. बी. ओझा ने शालेय शिष्टाचार और श्री के.के. पाराशर ने मूल्यांकन विषय पर शिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

2021 में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख लोगों की मौत, अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा : सरकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पिछले साल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 1.55 लाख से अधिक लोगों की जान चली गयी। इसका मतलब है कि औसत रोजाना 426 लोगों की या हर घंटे 18 लोगों की मौत हुई। यह किसी कलैंडर वर्ष में अब तक दर्ज दुर्घटनाओं में मौत के सर्वाधिक मामले हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के भारत में दुर्घटनाओं में मृत्यु तथा आत्महत्या के मामले-2021 मद के तहत आंकड़ों के अनुसार पिछले साल पूरे देश में 4.03 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 3.71 लाख लोग घायल हो गये। गृह मंत्रालय के तहत कार्यरत एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल सड़क दुर्घटनाओं में मौत के सर्वाधिक मामले आये थे, वहीं सड़क दुर्घटनाओं और घायल हुए लोगों की संख्या इससे पहले के सालों के मुकाबले कम हुई है। साल 2020 में देश में ज्यादातर समय कोविड-19 की वजह से लॉकडाउन लगा था और उस साल देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 3.54 लाख रही जिनमें 1.33 लाख लोगों की मौत हो गयी, वहीं 3.35 लाख अन्य घायल हो गये। एनसीआरबी ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, च्च्आमतौर पर सड़क दुर्घटनाओं में मौत के मामलों से ज्यादा लोगों के घायल होने के मामले आते हैं, लेकिन मिजोरम, पंजाब, झारखंड और उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में लोगों के घायल होने से ज्यादा मामले मौत के आये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ नर्मदा समग्र न्यास के सदस्यों ने पौध-रोपण किया

भोपाल ■ जसं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी उद्यान में नर्मदा समग्र न्यास के सदस्यों के साथ पीपल, मौलश्री और गूलर के पौधे लगाए। न्यास द्वारा 2 से 4 सितंबर तक औषधीय पौधों पर वाल्मी भोपाल में कार्यशाला की गई। इसी संदर्भ में न्यास द्वारा आज पौध-रोपण किया गया।

न्यास के डॉ. सुदेश वाघमारे, सर्वश्री नीरज वर्मा, कार्तिक सप्रे, लालाराम चक्रवर्ती, करण सिंह कौशिक, नीलेश कटारे, प्रदीप त्रिपाठी, श्याम कुमार श्रीवास, आशुतोष मालवीय, साहब सिंह लोधी, वेद नीरज अस्थाना, राकेश कुमार उइके, केशव दास मानिकपुरी, दीपक सिंह बैंस, मनोज जोशी, डॉ. गजेंद्र गुप्ता, राघव उपाध्याय, विवेक पाटीदार, शैलेंद्र कुमार उपाध्याय, सराजल पाटीदार सहित अन्य सदस्य सम्मिलित हुए।

पौध-रोपण में सुश्री रेखा चौहान, सर्वश्री दीपक कुमार गौर, सुमित, महेश धाकड़, अनिल गौर, राजेश जादम, डॉ. वीरेंद्र मालवीय, महेंद्र पटेल, नवीन बोडके, दीप सिंह यादव और श्री राठौर ने भी भाग लिया।

न्यास द्वारा औषधीय पौधों की पहचान, संरक्षण-संवर्धन और इन पौधों की गृह वाटिका तैयार करने 2 सितंबर से 4 सितंबर तक कार्यशाला की गई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से यह कार्यशाला जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) भोपाल में हुई। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय, ग्राम विकास समिति के सदस्य, औषधीय पौधों में रूचि रखने वाली संस्थाओं के सदस्य तथा पंचायत और नगरीय निकायों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें अधिकतर प्रतिभागी नर्मदा जल ग्रहण क्षेत्र से हैं।

पौधों का महत्व

पीपल छायादार और पर्यावरण शुद्ध करने वाला वृक्ष है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व भी है। मौलश्री एक औषधीय वृक्ष है, इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है। गूलर के फल अंजीर की तरह होते हैं। इसको आयुर्वेद की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है।

अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊँची चोटी पर रतलाम के दंपति फहराएंगे तिरंगा

भोपाल ■ जसं

पर्यटन और संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर और स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने रतलाम के युवा दंपति को भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंट कर अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमंजारो फतह की शुभकामनाएँ दी। रतलाम के युवा ज्योतिषाचार्य, कवि श्री अनुराग चौरसिया और उनकी पत्नी श्रीमती सोनाली परमार 13 सितम्बर को तंजानिया में पर्वत शिखर माउंट किलिमंजारो, 5895 मीटर (19341 फीट) पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। ऐसा करने वाले मध्यप्रदेश के यह पहले दंपति होंगे।

माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली मध्यप्रदेश की पहली महिला पर्वतारोही सुश्री मेघा परमार के मार्गदर्शन में इस दंपति ने एक वर्ष का शारीरिक दक्षता अभ्यास किया है। एडवेंचर के क्षेत्र में सक्रिय एक्सप्लोरर कंपनी और द बिग स्टेप एडवेंचर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री शोभित नाथ शर्मा ने प्रशिक्षण में सहयोग दिया है।

मंत्री श्री राजपूत ने रामशिलाओं के रूप में अयोध्या पहुँचाई जन-जन की आस्था

भोपाल ■ जसं

राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से सपरिवार सौजन्य भेंट कर साँची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। मंत्री श्री राजपूत श्रीराम मंदिर के निर्माण के लिए सुरखी विधानसभा क्षेत्र से रामशिलाएँ लेकर जन-समुदाय के साथ अयोध्या होते हुए लखनऊ पहुँचे थे। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंत्री श्री राजपूत ने राम शिलाओं के रूप में जन-जन की आस्था अयोध्या तक पहुँचाई है। उन्होंने भगवान श्रीराम के प्रति आम जनता की आस्था को शिलाओं के रूप में मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या लाने पर श्री राजपूत की सराहना की। मंत्री श्री राजपूत की धर्मपत्नी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सविता सिंह राजपूत एवं पुत्र श्री आकाश सिंह राजपूत भी उपस्थित थे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम कण-कण में समाहित है। अयोध्या में विशाल एवं भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है, जिसमें देश-विदेश के हर हिस्से से लोग सामर्थ्य के अनुरूप अपना योगदान भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पित कर रहे हैं। इसी तारतम्य में सुरखी विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भी अपनी भागीदारी निभाई है। इसके लिए मैं सुरखी की जनता का सदैव आभारी रहूँगा। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तरप्रदेश में विशेष कर कानून-व्यवस्था के साथ विकास के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा की उ.प्र. की कानून व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा की मुख्यमंत्री श्री योगी ने विकास का स्वरूप ऐसा बदला कि राज्य में हर तरफ खुशहाली की लहर नजर आती है।

एससी एवं एसटी विद्यार्थियों को राज्य सरकार करायेगी निःशुल्क आवासीय कोचिंग

भोपाल ■ जसं

राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी-जेईई की नि:शुल्क कोचिंग दी जाएगी। इन विद्यार्थियों की आईआईटी में प्रतिभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से 10वीं कक्षा के बाद उन्हें प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए भोपाल में ही नि:शुल्क आवासीय सुविधा और कोचिंग दी जाएगी। जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को कटारा हिल्स स्थित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय में दोपहर 12 बजे इस योजना का शुभारंभ करेंगी।

विद्यार्थियों को शैक्षणिक सॉफ्टवेयर से जुड़ा टेबलेट भी दिया जाएगा

सरकार ने निजी कोचिंग संस्थान फिटजी के साथ मिल कर चेंपियंस-90 पहल शुरू की है। यह संस्थान अपने सी.एस.आर. फंड से इन विद्यार्थियों को सभी आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण कोचिंग सुविधा देगा। साथ ही हर विद्यार्थी को शैक्षणिक तैयारी के लिए एक टेबलेट भी निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। यह टेबलेट कोचिंग संस्थान के शैक्षणिक सॉफ्टवेयर से जुड़ा होगा। इसमें विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा सामग्री उपलब्ध होगी। साथ ही उन्हें अन्य जरूरी शैक्षणिक किताबें भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

विद्यार्थियों का प्रवेश परीक्षा से हुआ चयन

योजना का लाभ देने के लिए कोचिंग संस्थान द्वारा 28 अगस्त को ली गईं प्रवेश परीक्षा में कुल 90 विद्यार्थी का चयन किया गया है, जिसमें छात्र एवं छात्राओं की संख्या 45-45 है। एससी और एसटी विद्यार्थियों की संख्या भी एक निश्चित अनुपात में है। चयनित विद्यार्थियों को ए.सी. युक्त और साउंडप्रूफ स्मार्ट क्लासरूम में कोचिंग संस्थान के अनुभवी शिक्षकों द्वारा कोचिंग दी जाएगी।

कोचिंग के साथ 11वीं-12वीं की पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

योजना में कोचिंग कर रहे विद्यार्थियों को 11वीं और 12वीं की पढ़ाई भी विभाग द्वारा ही करवाई जाएगी। इन दो वर्षों में विद्यार्थी को भोपाल में ही आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही उन्हें पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी।